गीताम् पठ ॐ स्वाध्यायी भव

॥ श्रीकृष्णं वन्दे जगद्गुरुम् ॥

पञ्जी. उ.सं./1619/30/4/1997

विश्वगीताप्रतिष्ठानम्

केन्द्रीय मुख्यालय

विश्वगीताप्रतिष्ठानम्
(Vishwa Geeta Pratishthanam)

श्रीरामानुजकोट, रामघाट, उज्जयिनी, म.प्र.,
भारत, पिन - 456006

कार्यालय

गीतामृतम्, 22-विवेक कॉलोनी, कैण्ट, गुना, म.प्र.

सचिवालय

बी-33, महलग्राम, सिटी सेण्टर, ग्वालियर, म.प्र.

geetapratishthanam@gmail.com
www.geetapratishthanam.in

विश्वगीताप्रतिष्ठानम्

Vishwa Geeta Pratishthanam

अध्यक्ष : डॉ. जवाहर लाल द्विवेदी 9425724206

महामंत्री : डॉ. विष्णु नारायण तिवारी 9425754257

विश्व का सर्वमान्य ग्रन्थ

श्रीमद्भगवद्गीता

धर्म, अर्थ, यश और अखण्डश्री से परिपूर्ण अनन्त विभूषित दिव्यानन्द स्वरूप जीवन–दर्शन और अध्यात्म के परम सन्देश का नाम है – श्रीमद्भगवद्गीता। गीता वेदों, उपनिषदों और सनातन संस्कृति का सारभूत है। समस्त विश्व को ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' का पाठ पढ़ाने वाली श्रीमद्भगवद्गीता का विश्व साहित्य में आज भी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है। गीता मानव का संविधान और विश्वबन्धुत्व के दैवी संदेश के साथ–साथ विश्वचेतना तथा ज्ञान–विज्ञान का अमरकोश है।

विश्वगीताप्रतिष्ठानम्

गीता और संस्कृत के प्रचार–प्रसार के प्रति समर्पित तपोनिष्ठ विद्वान् ''आचार्य रमेश कुमार पाण्डेय जी'' ने मूलरूप से विश्वगीता–प्रतिष्ठानम् की परिकल्पना और विचारधारा के साथ सनातन–संस्कृति, देववाणी संस्कृत तथा श्रीमद्भगवद्गीता के कल्याणकारी सन्देश को जन–जन में स्थापित करने हेतु विश्वविश्रुत ज्ञान–विज्ञान गुरु, आचार्य सान्दीपनि की नगरी, गीतागायक जगद्गुरु योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण की विद्यास्थली, गीता ज्ञान की आधार भूमि सान्दीपनि आश्रम उज्जैन में विक्रम संवत् 2054, सन् 1997 में श्री कृष्णजन्माष्टमी के दिन विश्वगीताप्रतिष्ठानम् की स्थापना की। जिसकी विधिवत पंजीकृत स्थापना के इस पवित्र और महत्वपूर्ण कार्य में संरक्षक के रूप में अवन्तिका पीठाधीश्वर, व्याकरण–वेदान्ताचार्य स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज तथा अन्य गीताप्रेमियों का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

संगठनात्मक संरचना

विश्वगीताप्रतिष्ठानम् भारतवर्ष सहित विश्व के अनेक देशों में गीता के प्रचार–प्रसार और स्वाध्याय कार्य में सतत निरत है। इस पवित्र कार्य में अपना जीवन समर्पित करने वाले पूर्णकालिक, अंशकालिक कार्यकर्ता, शिक्षित–अशिक्षित, व्यवसायी–अव्यवसायी, सभी समाज के गृहस्थ और विद्यार्थी निरन्तर गीता की सेवा में लगे हुए हैं। केन्द्र, प्रान्त, जिला, तहसील, नगर और ग्राम स्तर पर गीता स्वाध्याय मण्डल मूलभूत इकाई के रूप में कार्य कर रहा है।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1 श्रीमद्भगवद्गीता को राष्ट्रग्रन्थ के साथ विश्वग्रन्थ, संस्कृत को राष्ट्रभाषा, गौ माता को राष्ट्रीय कामधेनु तथा आधुनिक शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर प्राचीन गुरुकुल शिक्षा पद्धति को स्थापित कराना।

2 आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा प्रसार तन्त्रों के माध्यम से गीता का संगीतमय नियमित प्रसारण कर श्रीमद्भगवद्गीता के जनकल्याणकारी संदेश तथा अध्यात्म को जन जन तक पहुँचाना और सम्पूर्ण विश्व को विश्वबन्धुत्व एवं भाईचारे का पाठ सिखाना।

3 समस्त भाषाओं एवं राष्ट्रीय एकता की जननी वैज्ञानिक भाषा संस्कृत तथा उसके साहित्य को जनसाधारण से जोड़ना।

4 वेद, उपनिषद्, दर्शन, ज्योतिष, आयुर्वेद, संगीत एवं स्वाध्याय के वैज्ञानिक पक्षों को उजागर करने के लिए शोध करना।

5 श्रीमद्भगवद्गीता के शिक्षाप्रद उपयोगी अंशों का विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की सभी कक्षाओं के

पाठ्यक्रम में समावेश कर वहाँ गीता स्वाध्याय केन्द्रों की स्थापना कराना।

6 श्रीमद्भगवद्गीता के गौरव के अनुरूप सभी संस्थाओं, कार्यालयों, न्यायालयों आदि में गीता की सूक्तियों का लेखन एवं राष्ट्रीय तथा राजकीय सम्मानों में टीका सहित गीता ग्रन्थ भेंट करना।

7 यथा संभव स्थानीय प्रशासन के विभिन्न प्रकार के सहयोग से गीता सप्ताह का आयोजन करवाना तथा व्यास पुरस्कार दिलाना।

8 जीवन में एकाग्रता, सुख, शान्ति, समन्वय, पारिवारिक समृद्धि तथा नष्ट हो रही शास्त्रीय ज्ञान की प्राचीन स्वाध्याय परम्परा को पुनः जागृत करना।

9 देश–विदेश में संचालित गीता मानस प्रचार समितियों, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक तथा आध्यात्मिक संस्थानों को एक मंच पर लाना।

10 घर, परिवार, ग्राम, नगर, तहसील, जिला, संभाग, राज्य तथा देश के साथ सम्पूर्ण विश्व में गीता संस्कृत स्वाध्याय मण्डलों की स्थापना करना।

11 संस्कृत, योग, आयुर्वेद, ज्योतिष एवं संगीत की शिक्षा के लिए गीता गुरुकुल, गीता महाविद्यालय तथा गीता विश्वविद्यालय की स्थापना करना और गीता ज्ञान के प्रचार–प्रसार हेतु आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन करना

12 गीता ज्ञान–विज्ञान तथा स्वाध्याय को बढ़ावा देने हेतु समस्त नागरिकों के लिए सभी स्तरों पर गीता–संस्कृत परीक्षाओं का संचालन करना।

13 गीता स्वाध्याय मंडलों के माध्यम से जन कल्याणकारी सेवा को बढ़ावा देने के लिए सेवा प्रकल्पों का संचालन करना।

14 गीताविषयक शोध आलेख और पुस्तक प्रकाशन, विज्ञान, प्रबंधन, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में परामर्श देना।

15 आरोग्य, योग, आयुर्वेद, ज्योतिष, गौसंरक्षण एवं संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण इत्यादि समसामयिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं सेवा कार्य चलाना।

16 मानव समाज को ऊँच–नीच, छुआछूत, असमानता आदि के भेद से मुक्त कर समानता, संयम, समर्पण और कर्त्तव्य पथ के धर्मानुसार ''विश्वबन्धुत्व'' का पाठ पढ़ाना।

प्रशिक्षण वर्ग एवं गतिविधियाँ

विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के द्वारा केन्द्र, प्रान्त, जिला, तहसील, नगरों और ग्रामों में पाक्षिक, साप्ताहिक एवं दैनिक आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया जाता है –

स्वाध्याय शिक्षा वर्ग	गीता शिक्षा वर्ग	संस्कृत शिक्षा वर्ग
ज्योतिष शिक्षा वर्ग	आरोग्य शिक्षा वर्ग	योगविज्ञान शिक्षा वर्ग
व्याकरण शिक्षा वर्ग	संगीत शिक्षा वर्ग	संस्कार शिक्षा वर्ग
गीत संगीत शिक्षावर्ग	स्तोत्र गान शिक्षा वर्ग	प्रबंधन शिक्षा वर्ग

गीता संस्कृत स्वाध्याय मण्डल

घर–घर गीता का प्रचार हो, सदाचार और सद्विचार हो।
पहले सा मेरा भारत ये, जगद्गुरु फिर एक बार हो ॥

गीता के जनकल्याणकारी सन्देश एवं संस्कृत भाषा के उपयोगी साहित्य को घर–घर तक और जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विश्वगीताप्रतिष्ठानम् द्वारा गीता संस्कृत स्वाध्याय मण्डल

योजना प्रारम्भ की गई है । गीता संस्कृत स्वाध्याय मंडल विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के संगठन तंत्र की महत्त्वपूर्ण मैदानी इकाई है, जो प्रतिष्ठान के कार्य विस्तार एवं उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए योगदान प्रदान करती है, साथ ही इससे लोक व्यवहार एवं नवजागरण होता है । स्थानीय सुविधा के अनुसार दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक अथवा मासिक स्वाध्याय मंडलों का संचालन नगर, ग्राम, मोहल्ला और बस्ती स्तर पर किया जाता है । गीता स्वाध्याय में निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर लगभग डेढ़ घंटे की अवधि में गीता प्रेमी जन एकत्रित होकर सामान्य रूप से या संगीत के साथ अधिकतम लोगों की प्रस्तुतियाँ होती हैं। इसमें गीता के न्यूनतम 11 या 15 श्लोकों का क्रमश : गायन तथा लघु व्याख्या होती है। यह स्वाध्याय घर-घर जाकर होता है। पहले से ही वर्ष भर होने वाले साप्ताहिक स्वाध्यायों की श्रृंखला निर्धारित कर ली जाती है। गीता स्वाध्याय अत्यन्त रोचक और परम आनन्द देने वाला होता है।

: विश्वगीताप्रतिष्ठानम् द्वारा गीता से सम्बंधित सप्त उत्सवों का आचरण

प्रथम उत्सव	:	नव संवत्सर अभिनन्दन समारोह (वर्ष प्रतिपदा)
द्वितीय उत्सव	:	श्री हनुमान जयन्ती महोत्सव (चैत्र शुक्ल पूर्णिमा)
तृतीय उत्सव	:	आद्य शंकराचार्य जयन्ती (वैशाख शुक्ल षष्ठी)
चतुर्थ उत्सव	:	गुरु पूर्णिमा एवं व्यास जयन्ती (आषाढ़ी पूर्णिमा)
पंचम उत्सव	:	श्री कृष्ण जन्माष्टमी, स्थापना एवं समर्पण दिवस
षष्ठ उत्सव	:	गीता सप्ताह एवं गीता जयन्ती (मार्गशीर्ष शु. एकादशी)
सप्तम उत्सव	:	वसन्तोत्सव एवं सरस्वती जयन्ती (माघ शु.पञ्चमी)

: प्रतिवर्ष मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को गीता जयन्ती होती है। इसके 3 दिन पूर्व से 3 दिन बाद तक विविध शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से गीता सप्ताह मनाया जाता है , जिसमें -

प्रथम दिवस	:	गीता जन जागरण यात्रा, गीता परिवार सम्मेलन
द्वितीय दिवस	:	विद्यालय स्तर की गीता व्याख्यानमाला एवं विविध स्पर्धाएँ
तृतीय दिवस	:	महाविद्यालय स्तर की गीता व्याख्यानमाला एवं विविध स्पर्धाएँ
चतुर्थ दिवस	:	सामूहिक अखण्ड गीता पाठ एवं यज्ञ
पंचम दिवस	:	भक्ति संगीत, काव्य पाठ एवं गीता गायन
षष्ठ दिवस	:	गीता सांस्कृतिक भजन संध्या एवं कवि सम्मेलन
सप्तम दिवस	:	गीता सम्मेलन, पुरस्कार वितरण एवं समापन

अखिल भारतीय गीता महोत्सव

यह वार्षिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सारस्वत अनुष्ठान है । इसके अन्तर्गत गीता जन जागरण यात्रा, गीता प्रदर्शिनी, गीता मानस सम्मेलन, संस्कृत सम्मेलन, योगविज्ञान सम्मेलन, ज्योतिर्विज्ञान सम्मेलन, आरोग्य सम्मेलन, पर्यावरण सम्मेलन, गौ संरक्षण एवं संवर्धन सम्मेलन, गीता स्वाध्याय सम्मेलन, गीता विषयक शोध संगोष्ठी, गीता ज्ञान-विज्ञान स्पर्धा, सांस्कृतिक संध्या, गीता नाटक, गीता प्रशिक्षण, अखण्ड गीतापाठ एवं यज्ञ, गीता प्रवचन तथा संगठनात्मक कार्य योजना पर चिन्तन और विमर्श आदि होता है।

विशिष्ट गीता सम्मान

विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के द्वारा चयनित सुयोग्य विद्वानों को विश्वभारती, गीतासेवी, गीताभारती, श्रीकृष्ण सेवा, राष्ट्रग्रन्थ गीता तथा महर्षि वेद व्यास सम्मान प्रदान किए जाते हैं।

विद्यालय और महाविद्यालय स्तर की गीता संस्कृत छात्र स्पर्धाएँ

गीता भाषण	:	आचार्य सान्दीपनि पुरस्कार
गीता चित्रांकन	:	जगद्गुरु श्री रामान्दाचार्य पुरस्कार
गीता श्लोक गायन	:	जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्य पुरस्कार
गीता संस्कृत सामान्य ज्ञान	:	जगद्गुरु श्री निम्बार्काचार्य पुरस्कार
विशिष्ट गीता ज्ञान	:	जगद्गुरु श्री शंकराचार्य पुरस्कार
सम्पूर्ण गीता कण्ठस्थ	:	जगद्गुरु योगेश्वर श्रीकृष्ण पुरस्कार

गीतापरीक्षाएँ

1. गीता संस्कृत सामान्य ज्ञान परीक्षा, गीता ओलम्पियाड 1,2,3
2. गीता ज्ञानवर्धिनी परीक्षा भाग – 1, 2, 3 क्रमशः माध्यमिक, उ. माध्यमिक तथा उच्चशिक्षा के विद्यार्थियों के लिए।
3. गीता ज्ञान–विज्ञान पत्राचार परीक्षाएँ – गीता प्रवेशिका, गीता प्रबोधिनी, गीता विशारद, गीता रत्न, गीता शास्त्री, गीता आचार्य, गीता विद्यावारिधि और गीता विद्यावाचस्पति सामाजिक लोगों के लिए।

प्रकाशन

1. गीता सत्य का अन्वेषण
2. श्रीमद्भगवद्गीता सार
3. गीतान्त्याक्षरी
4. स्वाध्याय – प्रबोध
5. गीताज्ञानवर्धिनी भाग– 1, 2, 3
6. गीता प्रबोधिनी
7. योगीराज श्रीकृष्ण गीता ज्ञान–अमृत
8. गीतामृतगानम्, भाग– 1, 2
9. सुभाषित एवं सूक्ति संग्रह
10. गीता ओलम्पियाड 1,2,3
11. गीता संस्कृत सामान्य ज्ञान
12. प्रेरक प्रसंग संग्रह
13. स्मारिका – 1, 2, 3
14. स्वाध्याय पुस्तिका
15. गीतामृतं गमय–संस्थापक आचार्य रमेश कुमार पाण्डेय स्मृति ग्रन्थ

आपकी सहभागिता

अपने घर पर गीता स्वाध्याय कराकर, गीता प्रेस से प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता की पुस्तकों का दान करके, गीता प्रचार हेतु अपना समय दान करके, गीता स्वाध्याय हेतु समाज के विभिन्न वर्गों से सम्पर्क करके गीता स्वाध्याय श्रृंखला को सुचारु रूप से संचालन करने हेतु मंदिर, साज, संस्था, गुरुकुल, गणमान्य जन, गीता अनुरागी जन, बस्ती तथा समीपस्थ ग्राम में गीता चौपाल और गीता स्वाध्याय का आयोजन कराकर, निजी एवं सरकारी शिक्षण संस्थाओं में नियमानुसार गीता श्लोक पाठ, गीता निबन्ध, गीता सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, गीता परिचर्चा, गीता संगोष्ठी और सम्मेलन कराकर, विश्वगीताप्रतिष्ठानम् की शाखाओं में व्यवस्था आदि के विभिन्न प्रकार के दायित्वों से जुड़कर, उपर्युक्त कार्यों में प्रकाशन, प्रचार–प्रसार और व्यवस्थाओं में सामर्थ्य के अनुसार वस्तुओं का सहयोग करके तथा अक्षय निधि खाते में धन दान आदि करके सहभागिता की जा सकती है।

स्वाध्याय मण्डल की सदस्यता

वार्षिक – 101/–, पंचवार्षिक – 301/–, आजीवन – 501/–

विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के योगक्षेम के लिए अक्षय निधि कोष की स्थापना की गई है, जिसमें निष्ठापूर्वक समर्पित श्रद्धा निधि ही स्वीकार की जाती है, जो भी गीता प्रेमी स्वाध्याय कार्यक्रमों या सप्त उत्सव में उपस्थित होकर आरती के समय भगवान् के श्री चरणों में यथाशक्ति द्रव्य अर्पित करता है, वह निधि सुरक्षित रखी जाती है। प्रतिष्ठान केवल इसका ब्याज ही व्यय कर सकता है। श्री गीता जी के निमित्त बनाए गए अक्षय निधि कोष में यथाशक्ति योगदान कर जीवन सार्थक बनाएँ। इस हेतु विश्वगीताप्रतिष्ठानम् के केन्द्रीय अक्षय निधि खाते में सीधी राशि जमा कर सकते हैं। इसके अन्तर्गत दी जाने वाली छूट धारा 80 सी के तहत करमुक्त है।

बैंक खाते का विवरण

विश्वगीताप्रतिष्ठानम्, बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा – गुना
बचत खाता क्रमांक – 24930100001548
IFSC - BARB0GUNAXX

केन्द्रीय संरक्षक : परम पूज्य स्वामी रंगनाथाचार्य जी महाराज
श्री सूरज प्रकाश जी अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यकारिणी

अध्यक्ष	डॉ. जवाहरलाल द्विवेदी	9425724206
उपाध्यक्ष	डॉ. जे.एल. त्रिपाठी	6268134965
	डॉ. सी.पी. शर्मा	9516167399
महामंत्री	डॉ. विष्णु नारायण तिवारी	9425754257
स्वाध्याय प्रधान	श्री हरि नारायण शर्मा	9424406532
संगठन मंत्री	श्री विष्णु प्रसाद शर्मा	9425676041
कोषाध्यक्ष	श्री मोहन नागर	9425442474
गीता शिक्षण प्रमुख	डॉ. ओमप्रकाश पटसारिया	9893321250
गीता परीक्षा प्रमुख	श्री ओमप्रकाश शर्मा	9425790288
सह सचिव	श्री रमेश कोठारी	9993938735
संयुक्त सचिव	श्री सुधीर सक्सेना	9981362592
सप्तोत्सव प्रमुख	श्री नेमीचंद व्योम	9406725365
सम्पर्क प्रमुख	श्री श्रवण कुमार उपाध्याय	9479805106
व्यवस्था प्रमुख	श्री प्रह्लाद गुप्ता	8982140232
स्वाध्याय समन्वयक	पं. महेश प्रसाद पाण्डेय	9425690727
संस्कृति प्रमुख	डॉ. उमेश वैद्य	9329181554
मीडिया प्रमुख	श्री सर्वदेव तिवारी	8858920259
महिला प्रमुख	श्रीमती संध्या पाण्डेय	8429997597
प्रचार प्रमुख	श्री साकेत सुमन रघुवंशी	9893997120
प्रकाशन प्रमुख एवं राजस्थान प्रांत संयोजक	प्रो. बाबूलाल मीना	9414861283

प्रान्त संयोजक / सम्पर्क प्रमुख

प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र	हरियाणा	8168098868
श्री रविप्रकाश गोस्वामी	कानपुर	9451130914
पं. नव कुमार पारीक	पश्चिम बंगाल	9433439902
श्री विकासाचार्य जी	हिमाचल प्रदेश	9418933476
डॉ. चन्द्रलेखा शर्मा	गुवाहाटी (असम)	8638148985
श्रीमती मेघा अग्रवाल	मुम्बई	9326598177
डॉ. उज्ज्वल राजपूत	दिल्ली	7710092436
श्रीमती शिखा माथुर	बेंगलुरू	9945274177
डॉ. लखन लाल पुरोहित	पुणे	9584360924
श्री सत्यानन्द शास्त्री	बिहार	8541949646
श्री कुलदीप पुरोहित	गुजरात	9409191974
डॉ. हेमन्त शर्मा	छत्तीसगढ़	9926586563
डॉ. ऊधमसिंह	हरिद्वार	8439353407
श्री कृत्तिवास मिश्र	उड़ीसा	9938094554
डॉ. जुवेल विसवास	त्रिपुरा	6291440050
डॉ. उत्कर्ष राजपूत	केरल	8277033518
डॉ. सुशील कुमार शर्मा	मिजोरम	9366112421
श्री गोपाल चन्द्र फालिया	अंडमान निकोबार	9434267092
डॉ. शिवकुमार आचार्य	मालवा	8770440166
श्री शिवराम शर्मा	मध्यभारत	9993473625
पं. मदनलाल दुबे	महाकौशल	9669697241
श्रीकान्त शर्मा	यू.एस.ए	+ 1 (850)748–4943
श्री शिवम् द्विवेदी	सिंगापुर	6588260186
डॉ. विजयकुमार परमार	इंग्लैंड	+ 447760170822
श्री प्रवीण सोनी	फ्रांस	7582055751
श्री दीपक दुबे	सिडनी, आस्ट्रेलिया	+ 61416475401
श्री प्रभाकर शर्मा	तेलंगाना	9490348002
श्री नितिन पाण्डेय	पंजाब	9501104256
श्री भवानी शंकर शर्मा	गाजियाबाद	9458664500
श्री ओम नम्र	इन्दौर	9893556929
श्री निर्मल विजयवाला	बांग्लादेश	+8801715–990535

॥ गीता सुगीता कर्तव्या ॥